

टीम मैनेजमेंट खिलाड़ियों को बैक करने और उन्हें अपनी नेचुरल खेल खेलने की पूरी छूट देने में विश्वास रखता है। उन्होंने यह भी साफ किया कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन डरकर क्रिकेट खेलना भारतीय टीम की संस्कृति कभी नहीं हो सकती। **- गौतम गंभीर**

भारतीय कोच, सीरीज जीतने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



विराट कोहली

विराट कोहली की गिनती वर्ल्ड क्रिकेट में लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट के महान खिलाड़ियों में की जाती है, जो अब इंटरनेशनल क्रिकेट में सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेल रहे हैं उनके पास न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का शानदार मौका रहने वाला है। कोहली वनडे में नंबर-3 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हैं, जिसमें वह इस नंबर पर 13000 रनों के आंकड़े को पूरा करने से सिर्फ 2 रन दूर हैं। कोहली यदि ऐसा करने में कामयाब होते हैं तो वनडे इतिहास में पहले ऐसे बल्लेबाज बन जाएंगे जो नंबर-3 की पोजीशन पर 13000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड के जैक हॉब्स ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 834 मैच खेले जिनमें 199 शतक जड़ दिए। यह आंकड़ा आज के समय में लगभग अछूता सा लगता है।

न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया

साइफर्ट ने 93 रन बनाए, टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से जीती

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के सामने आखिरी टी20 मुकाबला सात विकेट से हार गई। हैमिल्टन में उसने 191 रन का स्कोर बनाया था। इशान किशन ने 61 तो श्रेयस अय्यर ने 50 रन की कप्तानी पारी खेली। मेजबान टीम नेटिम साइफर्ट के 93 और ग्लेन फिलिप्स(65) के सीरीज के लगातार चौथे 50 प्लस स्कोर के बूते 12 गेंद बाकी रहते मैच जीत लिया। इसके साथ पांच मैच की सीरीज 3-2 से भारत के नाम रही। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने पहले तीन मैच जीते थे जबकि आखिरी दो में हार मिली। भारत को आखिरी टी20 में खराब फील्डिंग का खामियाजा भुगतना पड़ा। कुछ कैच छोड़े गए तो कुछ मौकों पर ग्राउंड फील्डिंग में भी सुस्ती रही जिससे चौके निकल गए।



भारत ने हालांकि न्यूजीलैंड के सामने लगातार छठी टी-20 सीरीज जीती

भारत ने कीवी टीम के सामने 2019 के बाद से इस फॉर्मेट में सीरीज नहीं गंवाई है। तब से भारत ने तीन बार घर और तीन बार बाहर कीवी टीम के सामने टी20 सीरीज जीती है। 2019 के बाद से दोनों के बीच द्विपक्षीय टी20 सीरीज में कुल 24 मैच हुए हैं। इनमें से 18 भारत ने जीते व चार गंवाए हैं। दो के नतीजे नहीं निकले। भारत ने सीरीज में पहली बार गंवाया

साइफर्ट-फिलिप्स ने छीना मैच

मेजबान टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए फिन एलन (2) को दूसरे ही ओवर में गंवा दिया। मगर साइफर्ट और डेरिल मिचेल ने मिलकर टीम को जीत की राह पर डाल दिया। इस दौरान साइफर्ट जब 13 रन के निजी स्कोर पर थे तब अर्शदीप सिंह की गेंद नमन धीर ने उनका कैच छोड़ दिया। इसका फायदा उठाकर कीवी बल्लेबाज ने आतिशी अर्धशतक लगाया। उन्होंने 34 गेंद में 50 रन पूरे किए। मिचेल 29 रन बनाने के बाद दूसरे विकेट के तौर पर आउट हुए। उन्होंने चार छक्के जड़े। उनके जाने के बाद साइफर्ट और फिलिप्स न्यूजीलैंड को जीत के करीब ले गए। दोनों ने 86 रन जोड़े। शतक से सात रन पहले साइफर्ट को नीतीश कुमार रेड्डी ने बोल्ड किया। फिलिप्स ने आठ चौकों व तीन छक्कों से 65 रन बनाते हुए बेवन जैकब्स के साथ मिलकर मैच खत्म किया।

सूर्यवंशी फिर नहीं खेले, वरुण को मिला मौका

भारत ने आखिरी टी20 मुकाबले में दो बदलाव किए। हालांकि सूर्यवंशी को फिर से खेलने का मौका नहीं मिला। वे इस सीरीज में दो ही मैच खेल पाए। वरुण चक्रवर्ती को सीरीज में पहली बार खेलने का मौका मिला तो भुवनेश्वर कुमार वापस आए। इनके लिए अक्षर पटेल और मयंक यादव ने जगह खाली की। भुवी ने चार ओवर में 41 रन दिए। उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। वरुण के चार ओवर से 45 रन गए और एक सफलता हाथ लगी।

टॉस और की पहले बैटिंग

भारत ने सीरीज में पहली बार टॉस गंवाया और पहली ही बार पहले बैटिंग की। 19 रन के कुल स्कोर पर संजू सैमसन (4) और अभिषेक शर्मा (1) पवेलियन लौट गए। ऐसे में इशान और श्रेयस ने मोर्चा संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। इससे भारतीय टीम 10 ओवर तक 100 से ऊपर रन बना चुकी थी। इशान 32 गेंद में पांच छक्कों व इतने ही चौकों से 61 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस ने 23 गेंद में चार छक्कों व तीन चौकों से 50 रन की पारी खेली। ये दोनों 11 रन के अंतराल में आउट हो गए जिससे भारतीय टीम 200 के पार जाने से चूक गई। तिलक वर्मा छह रन बना सके, निचले क्रम में नमन धीर ने 33 तो नीतीश कुमार रेड्डी ने 22 रन का योगदान दिया। कीवी टीम की ओर से एडम मिल्न ने चार ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए। यह न्यूजीलैंड की ओर से भारत के खिलाफ टी20 में दूसरा सबसे अच्छा बॉलिंग प्रदर्शन रहा।

भुवी की खराब रही वापसी

भुवी ने इस सीरीज के जरिए भारतीय टीम में चार साल बाद वापसी की मगर यह यादगार नहीं रही। उसने हर मुकाबले में 10 या इससे ऊपर की इकॉनमी से रन दिए। पहले मैच में चार ओवर में 49, दूसरे में चार ओवर में 50, तीसरे में चार ओवर में 40 रन खर्च किए। चौथे टी20 से उन्हें बाहर रखा गया था। उन्हें महज एक विकेट मिला जो दूसरे टी20 में था। उनके सीरीज में फेंके गए 16 ओवर में 180 रन बने। उनकी इकॉनमी 11।25 की रही। उनके करियर के दो सबसे महंगे स्पैल इसी सीरीज में आए।भुवी ने चारों मैच में पहला ओवर अच्छा डाला मगर इसके बाद उनकी पिटाई हुई। उनके दूसरे, तीसरे व चौथे ओवर में काफी रन गए।

ग्लेन फिलिप्स ने उड़ाई रनों की दावत

ग्लेन फिलिप्स सीरीज में भारत के लिए सबसे बड़े सिरदर्द साबित हुए। उन्होंने पांच मैच में 113।66 की औसत से 341 रन बनाए और उनकी स्ट्राइक रेट 185।32 की रही। वे दो बार सीरीज में नाबाद रहे। फिलिप्स के इस सीरीज में स्कोर इस तरह रहे- नाबाद 82, 70, 17, 107 और नाबाद 65 रन। उन्होंने सबसे ज्यादा 29 चौके और 20 छक्के भी लगाए। उनके बाद रन बनाने में अभिषेक शर्मा का नाम रहा जिन्होंने पांच मैच में 39।40 की औसत से 197 रन बनाए।

अफगानिस्तान ने जीता पहला हांगकांग सिक्सेस खिताब

ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया, इमरान ने 14 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनाए



नई दिल्ली, 1 नवम्बर। अफगानिस्तान ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर पहली बार हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस का खिताब जीत लिया। हॉन्गकॉन्ग में खेले गए फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने 6 ओवर में 115 रन बनाए। अफगानिस्तान ने 5।1 ओवर में 119/2 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। इमरान मीर ने 14 गेंदों पर नाबाद 53 और फरमानुल्लाह सफी ने 7 गेंदों पर नाबाद 26 रन बनाए। इमरान ने 7 छक्के लगाए: इमरान ने 7 छक्के लगाए, जबकि फरमानुल्लाह ने 4 छक्के जड़े। दोनों ने नाबाद साझेदारी कर अफगानिस्तान को 4 विकेट से जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ब्रायंट ने 14 गेंद पर 44 रन बनाए: टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 6 ओवर में 115 रन बनाए। मैक्स ब्रायंट ने 14 गेंदों पर 44 रन की पारी खेली। निक हॉबसन ने 8 गेंदों पर 23 और एलेक्स रॉस ने 10 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से नांगेलिया खान और करीम जनत ने 1-1 विकेट लिया। इमरान मीर और सफी ने दिलाई जीत: 116 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने 5।1 ओवर में 2 विकेट पर 119 रन बनाकर जीत हासिल की। इमरान मीर ने 14 गेंदों पर नाबाद 53 और फरमानुल्लाह सफी ने 7 गेंदों पर नाबाद 26 रन बनाए। दोनों ने मिलकर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

राहुल खंडेलवाल के शतक से सोलफिल फाइटर्स की बड़ी जीत





जयपुर, 1 नवम्बर। रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे अजीम गोल्ड कप के दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सोलफिल फाइटर्स ने नारायणा क्रिकेट अकादमी को 146 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए सोलफिल फाइटर्स ने निर्धारित 20 ओवर में दो विकेट पर 291 रन का विशाल स्कोर बनाया। राहुल खंडेलवाल ने 133 रन की शतकीय पारी खेली। वहीं जयंत तांबी ने नाबाद 59, अरनव गौतम ने 50 और विनय चौधरी ने 40 रन बनाए। नारायणा की ओर से राजवीर सिंह राठौड़ और शुभम शर्मा ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में नारायणा क्रिकेट अकादमी की टीम 14.5 ओवर में 145 रन पर सिमट गई। आफ्ताबुद्दीन और शुभम शर्मा ने 35-35 तथा राजवीर सिंह राठौड़ ने नाबाद 20 रन बनाए। सोलफिल की ओर से विनय चौधरी ने चार और महेंद्र मेहला ने दो विकेट झटके। राहुल खंडेलवाल को उनकी शानदार शतकीय पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

हिमाचल रणजी मैच आज से धर्मशाला में खेला जायेगा

जयपुर, 1 नवम्बर। हिमाचल क्रिकेट संघ की मेजबानी में स्टेडियम में राजस्थान-हिमाचल टीमों के मध्य रणजी मैच खेला जायेगा। राजस्थान रणजी टीम मीडियामैनेजर मनीष शर्मा के अनुसार मेजबान हिमाचल के विरुदमहत्वपूर्ण रणजी मैच से पूर्व राजस्थान टीम ने स्थानीय परिस्थितियोंके अनुसार अभ्यास किया। हिमाचल के विरुदरणजी मैच के लिए हिमांशु नेहरा टीम सेजुड़े। हिमाचल के विरुद रणजी ट्रॉफी में राजस्थान का अब तक का रिकार्डशानदार रहा है।

अब तक दोनों टीमों के मध्य कुल 4 रणजी मैच खेले गए हैं :-

1) हिमाचल- राजस्थान रणजी मैच 2002 - 03 जयपुर राजस्थान 6 विकेट से जीता

2) हिमाचल - राजस्थान रणजी मैच 2007 -08, धर्मशाला राजस्थान 9 विकेट से जीता

3) हिमाचल - राजस्थान रणजी मैच 2024 - 25, धर्मशाला राजस्थान 8 विकेट से जीता

4) हिमाचल - राजस्थान रणजी मैच 2025 -26, जयपुर मैच ड्रॉ।

ऋषभ पंत तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट से बाहर

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। भारत के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेली जा रही तीन मैचों की सीरीज के तीसरे अनौपचारिक टेस्ट में नहीं खेलेंगे। वह तीसरे मुकाबले से बाहर हो गए हैं। उन्हें एहतियात के तौर पर तीसरे मुकाबले से बाहर किया गया है। दरअसल पिछले महीने श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की ओर से खेलते समय वह चोटिल हो गए थे और इस वजह से पहले सीरीज के पहले दो अनौपचारिक टेस्ट से बाहर हो गए थे। उन्हें न्यूजीलैंड के खलिाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट टीम में चुना गया है और पंत ने 19 नवंबर से शुरू होने वाली सीरीज से पहले ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

ईशान 1 साल में सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने वाले भारतीय

अर्शदीप पावरप्ले के हाईएस्ट विकेट टेकर





नई दिल्ली, 1 नवम्बर। न्यूजीलैंड ने पांचवे टी-20 मैच में भारत को 7 विकेट से हरा दिया। हैमिल्टन में ईशान किशन एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बने। उन्होंने पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ा। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। वहीं तिलक वर्मा नो-बॉल की वजह से कैच आउट होने से बच गए। ईशान किशन ने इस साल टी-20 इंटरनेशनल में 1220 रन बनाए हैं। उन्होंने सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्या ने 2022 में 1164 रन बनाए थे।

ईशान किशन ने 32 गेंद पर 61 रन की पारी खेली। वे 2 हजार टी-20 रन बनाने वाले तीसरे सबसे तेज भारतीय बने। उन्होंने इसके लिए 1345 गेंद खेली। पहले स्थान पर अभिषेक शर्मा हैं, जिन्होंने 1024 गेंद पर यह मुकाम हासिल किया था। अर्शदीप सिंह ने टी-20 इंटरनेशनल में पावरप्ले के दौरान 65 विकेट लिए हैं। वे फुल मेंबर टीमों के गेंदबाजों में पहले 6 ओवर में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में पहले नंबर पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड के टिम साउदी के नाम भी 65 विकेट हैं, लेकिन उन्होंने ये विकेट अर्शदीप सिंह से ज्यादा पारियों में लिए हैं। मिचेल सैंटनर ने न्यूजीलैंड के लिए 143 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। वे इस फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

भारत-ए के 346 रन के जवाब में न्यूजीलैंड-ए ने बॉयल के शतक से बनाए 218/3

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। मैथ्यू बॉयल के नाबाद शतक और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट के अर्धशतक की मदद से न्यूजीलैंड ए ने रविवार को यहां भारत ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन खराब शुरुआत से उबरते हुए तीन विकेट पर 218 रन बनाए। बॉयल 148 गेंदों पर 107 रन बनाकर खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक अपनी पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया है। फॉक्सक्रॉफ्ट 180 गेंदों पर 80 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनकी पारी में नौ चौके शामिल हैं। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 205 रन की अटूट साझेदारी करके न्यूजीलैंड की टीम को वापसी दिलाई। इससे पहले भारतीय टीम ने कप्तान ध्रुव जुरेल (105) के शतक की मदद से अपनी पहली पारी में 346 रन बनाए। इस तरह से भारत अभी न्यूजीलैंड से 128 रन आगे है। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक समय उसका स्कोर तीन विकेट पर 13 रन था। मोहम्मद सिराज और मुकेश कुमार ने उसे शुरुआती झटके दिए।

भारत बना पहला कॉमनवेल्थ कबड्डी चैम्पियन

पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हराया, महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से मात देकर जीता स्वर्ण



नई दिल्ली, 1 नवम्बर। भारत ने अहमदाबाद में शनिवार को पहले कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में डबल टाइटल जीत लिया। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 54-20 से हराकर पहला कॉमनवेल्थ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से शिकस्त देकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। पुरुष और महिला दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए खिताब जीते। पुरुष टीम ने लगातार 8 मुकाबले जीते, जबकि महिला टीम ने सभी 6 मैच अपने नाम किए।

पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हराया: पुरुषों के फाइनल में एशियन चैंपियन भारत ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारत के स्टार रेडर आदित्य शिंदे ने 14 रेड में 10 अंक हासिल कर सुपर 10 पूरा किया। इसमें 4 बोनस अंक भी शामिल रहे। भारत हुड्डा ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 रेड में 8 अंक जोड़े। वे पूरे मैच में एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने 6 और उप-कप्तान नवीन कुमार ने 5 अंक का योगदान दिया। डिफेंस में योगेश दहिया ने 5 टैकल अटेम्प्ट्स में 5 सफल टैकल कर हाई-5 लगाया। शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने भी 2-2 टैकल पॉइंट्स हासिल किए।

भारत ने श्रीलंका को 4 बार ऑल-आउट किया: भारतीय टीम ने मैच में 30 रेड और 14 टैकल पॉइंट्स हासिल किए। टीम ने श्रीलंका को 4 बार ऑल-आउट किया, जबकि खुद एक बार भी ऑल-आउट नहीं हुई। पहले हाफ में भारत ने 15-8 की बढ़त बनाई। इसके बाद टीम ने लगातार दबाव बनाते हुए हाफ-टाइम तक स्कोर 30-10 कर दिया। दूसरे हाफ में भी भारत ने 24 अंक जुटाए, जबकि श्रीलंका 10 अंक ही बना सका। श्रीलंका की टीम ने पूरे मैच में 41 रेड में सिर्फ 7 सफल रेड कीं।

विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलेंगे रोहित

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा आगामी वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के तहत घरेलू क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। रोहित शर्मा ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को जानकारी दी है कि वह विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलने को तैयार हैं। रोहित खुद को फिट रखने और लय बरकरार रखने के लिए घरेलू मैचों का रुख कर रहे हैं। रोहित शर्मा श्रीलंका के खिलाफ 13 से 19 दिसंबर तक होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहेंगे। इसके बाद वह टी 20 से 29 दिसंबर के बीच विजय हजारे ट्रॉफी के मैचों में मुंबई के लिए मैदान में उतर सकते हैं। टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अब वह केवल वनडे प्रारूप खेलते हैं। विजय हजारे के पिछले सीजन में भी उन्होंने मुंबई के लिए दो मैच खेले थे, जिसमें सिक्किम के खिलाफ 155 रन की पारी शामिल थी। रोहित आगामी व्यस्त कार्यक्रमों के बीच खुद को 2027 विश्व कप के लिए पूरी तरह तैयार रखना चाहते हैं।

जयपुर जिला टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2026 का आगाज

अंडर-11 एवं अंडर-13 वर्ग के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम



जयपुर, 1 नवम्बर। जयपुर जिला टेबल टेनिस संघ के तत्वावधान में जयपुर जिला टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 का शुभारंभ आज 1 नवंबर को स्टेडियम स्थित टेबल टेनिस हॉल, जयपुर में हुआ। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में जयपुर के अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में नेशनल एवं नेशनल रैंकिंग प्राप्त खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेष बात यह है कि पिछले वर्ष के चार राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतियोगिता के पहले दिन अंडर-11 एवं अंडर-13 आयु वर्ग के मुकाबले आयोजित किए गए। खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। जयपुर जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष श्री किशन माहेश्वरी एवं कोषाध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल ने प्रतियोगिता में उपस्थित सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों का स्वागत किया तथा सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता प्रबंधक श्री किशन चौधरी एवं आयोजन सचिव श्री संजीव पारुई ने बताया कि प्रतियोगिता में बच्चों ने अत्यंत अनुशासन के साथ भाग लिया तथा सभी मुकाबले बेहद रोमांचक और उच्च स्तर के रहे। खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल और प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

आज के प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहे :-

अंडर-11 बालक एकल वर्ग- - विजेता: तरुष शर्मा - उपविजेता: मान्विक शर्मा - तृतीय स्थान: आव्या सोगानी एवं यजत झा

अंडर-11 बालिका एकल वर्ग - विजेता: मृग्या राजपूत - उपविजेता: अर्शिया शर्मा - तृतीय स्थान: आध्या नेगी एवं अधीरा माहेश्वरी

अंडर-13 बालक एकल वर्ग - विजेता: आरव साहनी - उपविजेता: तरुष शर्मा - तृतीय स्थान: मान्विक शर्मा एवं निवान जैन

अंडर-13 बालिका एकल वर्ग - विजेता: आरना साहनी - उपविजेता: मायरा राजपूत - तृतीय स्थान: आध्या नेगी एवं आराध्या सेनी

जयपुर जिला टेबल टेनिस संघ के पदाधिकारियों ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराना तथा जयपुर में टेबल टेनिस खेल को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता के दूसरे एवं अंतिम दिन 2 नवंबर को अंडर-17, अंडर-19, पुरुष एवं महिला वर्ग के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। इन वर्गों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

राजस्थान स्टेट बैडमिंटन अंडर-15 चैम्पियनशिप में जयपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 1 नवम्बर। राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन एवं जयपुर बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में जयपुर में आयोजित राजस्थान स्टेट सब-जूनियर (अंडर-15) बैडमिंटन चैंपियनशिप में पहले दिन जयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता के पहले दिन बालिका वर्ग में जयपुर की सान्वी अजमेरा ने सांची पालीवाल को 19-17, 16-14 से तथा दक्ष्वी सोनी ने इशान्वी चौधरी को 15-7, 13-15, 15-8 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

सिंधु और लक्ष्य सेन हाइलो ओपन बैडमिंटन के फाइनल में

दोनों ने सीधे गेम में सेमीफाइनल जीते, भारत के पास डबल टाइटल जीतने का मौका





नई दिल्ली, 1 नवम्बर। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने 5 लाख डॉलर इनामी राशि वाले हाइलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। जर्मनी के सारब्रुकेन शहर में चल रहे टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने शनिवार को अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले सीधे गेम में जीते। आज दोनों के पास टाइटल जीतने का मौका है। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु का सामना भारत की 19 साल की अनमोल खरब से था। पहले गेम में अनमोल ने शुरुआत में 4-2 की बढ़त बनाई, लेकिन सिंधु ने आक्रामक खेल और सटीक नेट प्ले के दम पर वापसी की। ब्रेक तक सिंधु 11-9 से आगे थीं। ब्रेक के बाद सिंधु ने अपनी बढ़त 15-10 कर ली। इसके बाद उन्होंने 7 गेम प्वाइंट हासिल किए और अनमोल की रिटर्न बाहर जाने पर पहला गेम 21-13 से जीत लिया।

दूसरे गेम में दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय स्कोर 8-8 और फिर 13-13 से बराबर था। अनमोल ने लगातार अंक हासिल कर 15-13 की बढ़त बनाई, लेकिन सिंधु ने जल्द ही स्कोर 15-15 कर दिया। सिंधु ने लगातार दबाव बनाए रखा और चार मैच प्वाइंट हासिल किए। सिंधु ने सटीक रिटर्न लगाकर पहला ही मैच प्वाइंट भुनाया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सिंधु ने कहा, "मैं अनमोल के खिलाफ काफी लंबे समय बाद खेल रही थी। सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ियों का होना अच्छी बात है। विरोधी खिलाड़ी चाहे कोई भी हो या उसकी रैंकिंग कुछ भी हो, मेरा ध्यान सिर्फ अपने खेल पर 100 प्रतिशत देने पर था। मुझे खुशी है कि मैं फाइनल में पहुंच गई हूं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं खुश हूं कि पूरे मैच में बढ़त बनाए रखी और उसे लगातार बढ़ाते हुए दो गेम में मुकाबला खत्म किया। उम्मीद है कि रविवार को फाइनल में भी यही लय बरकरार रखूंगी।" फाइनल में सिंधु का सामना डेनमार्क की 8वीं वरीयता प्राप्त लाइन हजमार्क क्यार्सफेल्ड से होगा।

पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से हराया। पहला गेम शुरुआत में बराबरी का रहा। स्कोर 4-4 होने के बाद लक्ष्य ने 7-5 की बढ़त बनाई। उन्होंने इसे 10-6 तक पहुंचाया। ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी पांच अंक आगे थे। ब्रेक के बाद पोपोव ने वापसी की और स्कोर 15-17 कर दिया। हालांकि, लक्ष्य ने दबाव में भी बेहतर खेल दिखाया। उन्होंने चार गेम प्वाइंट हासिल किए और नेट पर सटीक शॉट लगाकर पहला गेम 21-17 से जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने 4-1 की बढ़त बनाई। पोपोव ने स्कोर 4-4 से बराबर किया, लेकिन लक्ष्य ने स्मैश के दम पर फिर बढ़त हासिल कर ली। ब्रेक तक वह चार अंक आगे थे। लक्ष्य ने आक्रामक खेल जारी रखा। उन्होंने मजबूत डिफेंस के साथ पोपोव को लगातार दबाव में रखा और स्कोर 14-7 कर दिया। जल्द ही उन्हें 9 मैच प्वाइंट मिले। दो मौके गंवाने के बाद लक्ष्य ने सटीक स्मैश लगाकर तीसरे मैच प्वाइंट पर मुकाबला जीत लिया। जीत के बाद 25 साल के लक्ष्य सेन ने कहा, 'पिछले कुछ महीनों में मुझे हल्की चोटें (निगल्स) लगी थीं। इस वजह से मैं कुछ समय तक कोर्ट से दूर रहा। कई टूर्नामेंट में भी 100 नहीं दे पाया। लेकिन यहां अपने प्रदर्शन से खुश हूं। लगातार इतने मैच खेलने से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। 'उन्होंने कहा, 'ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के बाद पहली बार मुझे लगा कि मैं फिर से अच्छा बैडमिंटन खेल रहा हूं। मुझे अपनी लय वापस मिलती महसूस हो रही है।' 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडल विजेता लक्ष्य का फाइनल में सामना इंडोनेशिया के चौथी वरीयता प्राप्त जोनाटन क्रिस्टी और डेनमार्क के टॉप सीड एंडर्स एंटोनसेन के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।